P^3 G बैंक

संगम वर्मा (स.अ.)
उ. प्रा. विद्यालय जगसड़,
लखीमपुर-खीरी

उद्देश्य—उच्च प्राथमिक विद्यालय जगसड़ ऐसे ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है, जहाँ अधिकतर अभिभावक आर्थिक रूप से पिछड़े हैं तथा अशिक्षित है। ज्यादातर अभिभावक मजदूरी करते हैं या कृषि कार्यों पर निर्भर है। अभिभावकों की शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी के कारण वे बच्चों की स्टेशनरी आदि का ध्यान नहीं रखते हैं। जिन विद्यार्थियों के पास स्टेशनरी का सामान नहीं होता था वे विद्यार्थी विद्यालय आने से कतराते थे। उन्हें लगता था कि जब हम कुछ लिख नहीं पाएंगे तो विद्यालय जाकर क्या करेंगे। कॉपी, किताब, पेन, पेंसिल जैसी आधारभूत वस्तुएँ न होने की वजह से विद्यार्थी संकोचवश विद्यालय में अनुपस्थित रहते थे। विद्यार्थियों की शिक्षा एवं नियमित उपस्थिति प्रभावित होती थी। बच्चों की इस समस्या को दूर करने के लिए शिक्षिका ने P^3G बैंक का निर्माण किया ताकि कोई भी विद्यार्थी स्टेशनरी के अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रह जाय। साथ ही बच्चों में सहयोग की भावना का विकास हो।

क्रियान्वयन— इस कार्य को विद्यालय में विगत 5 वर्षों से किया जा रहा है। शिक्षिका ने अपने विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए P^3G बैंक का निर्माण किया और कई दराज वाली एक अलमारी रखी। जिसके एक दराज में पेंसिल, रबर और कटर तथा दूसरे में पेन तथा तीसरे में ज्योमेट्री बॉक्स (स्केल, चांदा व प्रकार) आदि का सामान रखा गया और कॉपी, पेपर की भी व्यवस्था की गयी। P^3G बैंक प्रतिदिन विद्यालय के बरामदे मे रख दी जाती है।

जिन विद्यार्थियों के पास स्टेशनरी का सामान नहीं होता है तथा उन्हें जिस सामान की आवश्यकता होती है वे स्वयं ही P^3G बैंक से सामग्री प्राप्त कर लेते हैं तथा पठन–पाठन का कार्य समाप्त होने के बाद पुनः वापस रख देते हैं। इससे उनका आत्मसम्मान बना रहता हैं क्योंकि उन्हें किसी से स्टेशनरी मांगनी नहीं पड़ती है। इस बैंक के प्रयोग से विद्यार्थियों में सहयोग व ईमानदारी की भावना का भी विकास होता है। इस P^3G बैंक के सामग्री की व्यवस्था में सहयोग हेतु शिक्षिका द्वारा अभिभावकों व पुरातन विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया जाता है। अध्यापक द्वारा स्वयं भी सहयोग करते हैं। अध्यापक द्वारा अभिभावक की मीटिंग में भी इस व्यवस्था के बारे में अभिभावकों को बताया जाता है। यह व्यवस्था कई वर्षों से लगातार विद्यालय में सुचारु रूप से चल रही है।

प्रभावः– इस नवाचार के प्रयोग से विद्यार्थियों की स्टेशनरी से संबंधित समस्या दूर हुई है। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में विद्यालय के प्रति भरोसा और अपनत्व की भावना बढ़ने से विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति एवं नामांकन में भी वृद्धि हुई। नवाचार के प्रारंभ में सत्र 2020–21 में विद्यार्थियों की संख्या 230 थी जो सत्र 2024–25 मे बढ़कर 301 हो गयी हैं।

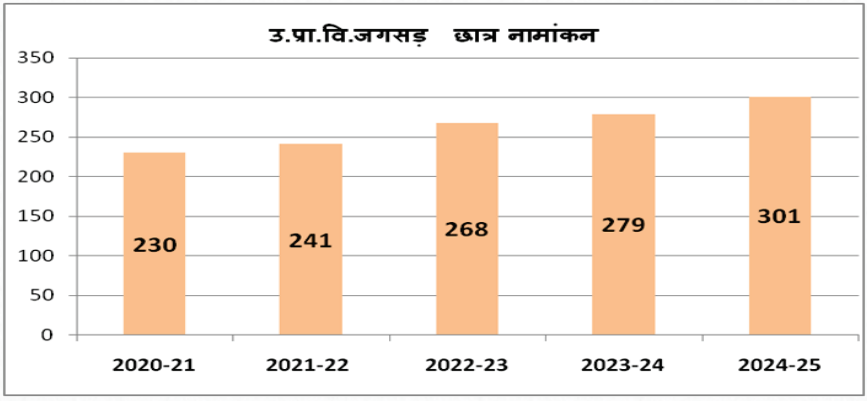

इस नवाचार के प्रभाव के कारण विद्यार्थियों में अनुशासन, आपसी सहयोग एवं ईमानदारी के गुणों का विकास हो रहा है। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक स्तर में आशातीत सुधार हुआ है। समाज की दृष्टि में सरकारी विद्यालयों की छवि बेहतर हुई और अध्यापकों की कर्मठता व कर्तव्यनिष्ठा को देखकर समाज का विश्वास व सम्मान विद्यालय के प्रति बढ़ा है। परिणामस्वरूप काफी दूर–दूर से विद्यार्थी इस विद्यालय में नामांकन के लिए आते हैं। इस नवाचार का प्रभाव विद्यालय व विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर के उन्नयन में भी विभिन्न प्रकार से देखा गया। 2019 में वोडाफोन आइडिया स्कॉलरशिप के अंतर्गत हमारे 7 विद्यार्थियों का चयन हुआ जिसमें प्रति छात्र को 20000 रू0 की छात्रवृत्ति एंड्रॉयड फोन खरीदने के लिए मिली थी। 2021 में पठन–पाठन कार्य योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी इस विद्यालय के छात्र अंकित (कक्षा–8) द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अन्तर्गत जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में चयनित विद्यार्थी–

क्र0सं0	सत्र	विद्यार्थी का नाम	प्राप्त स्थान
01	2021–22	अंकेत कुमार	प्रथम
02	2022–23	अवशेष कुमार	प्रथम
03	2023–24	शिवांशु पाल	प्रथम
		मानसी यादव	द्वितीय
		राम निवास	पंचम
04	2024–25	अमित कुमार	पंचम